Re. WOMEN'S RESERVATION BILL

श्री वृंदा कारत (पश्चिमी बंगाल)**:** सर, मेरा एक सवाल Women Reservation Bill के बारे में है। सर, एजेंडा के अंदर Women Reservation Bill कब आएगा, यह सरकार थोडा बता दे क्योंकि अब एक ही हफ्ता बाकी है। सर, पिछले सेशन में भी आश्वासन दिया गया था कि Women Reservation Bill पर बहस होगी। आदरणीय प्रधान मंत्री जी भी हाउस में अभी मौजूद हैं तो अगर वह इस बारे में कुछ इशारा कर दें कि क्या अगले हफ्ते Women Reservation Bill के बारे में सरकार कोई पहल करेगी?

श्री सभापतिः सरकार से बात करेंगे।

श्रीमती सुषमा स्वराज (उत्त्रांचल)**:** सभापति जी, वृंदा कारत जी ने जो बात कही है, उस में मैं भी एक बात जोडती हुए कहना चाहती हूं कि कम से कम आप इस बिल को इंट्रोडयूस कर दें। उस पर consideration and discussion अगले सत्र में हो जाए, लेकिन कम से कम एक draft... (**व्यवधान**)...हम लोगों को दिक्कत यह है कि इस सरकार को आए डेढ साल हो गया है, लेकिन अभी तक एक ड्राफ्ट तक हमारे सामने नहीं है जिस पर हम चर्चा करें। तो कम से कम कैबिनेट से क्लिअर करा के इस का इंट्रोडक्शन करवा दें, चर्चा हम अगले सत्र में कर लें।

श्री सभापतिः बातचीत करेगे, मैं बात कर लूंगा।... (**व्यवधान**)...

श्री शरद यादव (बिहार)**:** सर, इस तरह अचानक कोई विषय उठाने की इजाजत है तो हम भी बहुत विषय उठा सकते हैं।... (**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः नहीं, आप बैठिए। आप बहुत समझदार हैं।... (**व्यवधान**)...

श्री शरद यादवः यह ठीक नहीं है।

श्रीमती सुषमा स्वराजः हम यह अचानक नहीं उठा रहे हैं। डेढ़ साल से यह लंबित है ... (**व्यवधान**)...

SHRI VAYALAR RAVI (Kerala): We all support it,

श्रीमती वंगा गीता (आन्ध्रा प्रदेश)**:** सर, हम भी associate करते हैं।

प्रो. अलका क्षत्रिय (गुजरात)**:** सर हम भी समर्थन करते हैं।

श्रीमती प्रेमा करियप्पा (कर्णाटक)**:** सर, हम भी associate करते हैं।

श्रीमती एन. पी. दुर्गा (आन्ध्रा प्रदेश)**:** सर, हम भी associate करते हैं।

श्री सभापति: आप सभी एसेसिएट कर दीजिए। मैं बातचीत कर लूंगा। आप सभी का नाम रिकॉर्ड कर लिया है।... (**व्यवधान**)... सारा रिकॉर्ड कर लिया है, और कोई महिला न बोली हो तो अपना नाम लिखा दे।

प्राइवेट मेबर्स रिजोल्यूशन श्री एस. एस. अहलुवालिया अनुपस्थित। श्री वी. नारायणसामी।

STATEMENT BY MINISTER

Threat of bomb explosion in Parliament House and security precaution taken thereafter

गृह मंत्री (श्री शिवराज वी. पाटिल): श्रीमन मैं दूसरे हाऊस में था और अब वहाँ से यहाँ पर आ रहा हूँ।

श्री सभापति: कोई बात नहीं।

श्री शिवराज वी. पाटिल: आज चैन्नई से यहाँ पर मालूमात आई कि यहाँ का जो अमेरिकन कोन्सुलेट है, उनके पास किसी ने दो ई-मेल करके बताया था कि उनके कोन्सुलेट को और पार्लियामेंट को बम के द्धारा 11 बजकर 45 मिनट पर उडाया जाएगा। कोन्सुलेट ने यह इन्फॉर्मेशन तमिलनाडु पुलिस को दी और तमिलनाडु की पुलिस ने हमारे लोगों को दी। उनको इन्फॉर्मेशन मिलने के बाद यह यहाँ पर पहुँची। हमने यहाँ पर अमेरिकन कोन्सुलेट से भी, एम्बैसी भी मालूमात करने के बाद कि यह हुआ है, इसका पता किया। उसके बाद दिल्ली पुलिस को वह इन्फॉमेंशन दी गई और यहां भी पार्लियामेंट के अधिकारियों को यह इन्फॉर्मेशन दी गई। उसके बाद यहाँ पर कार्रवाई हुई।

इस प्रकार के hoax calls पहले भी आते रहे हैं, मगर इस बदले हुए माहौल में किसी भी कॉल को आसानी से लेना ठीक नहीं है। वह सही तरीके से दोनों ही सदनो ने यह तय किया कि सब सदस्य बाहर चले जाएं और पूरी तरह से जांच-पड़ताल हो। उसके पश्चात दिल्ली पुलिस के लोगों और बम्ब स्क्वाड के लोगों द्धारा आकर पूरी तरह से जांच-पड़ताड करने के बाद और इसको "क्लीन है", यह बताने के बाद यह सदन आज चल रहा है। मैं समझता हूं कि यह जो ई-मेल वहां से भेजा गया है, वह होम मिनिस्टर के नाम पर, स्पीकर साहब के नाम पर और चेयरमैन साहब के नाम पर और दूसरों के नाम पर भी भेजा गया है। मगर ई-मेल में थोडी सी गलती होने की वजह से यहां पर नहीं पहुंचा है। उसकी पूरी तरह से जांच-पड़ताल हो रही है और हमें उम्मीद है कि वह पता चल जाएगा।

यदि इस प्रकार का कोई प्रसंग आगे आए, तो हमें क्या करना है, उसके लिए हमने अपने लोगों को भी कहा है कि यहाँ के सेक्रेटरी जनरल, लोक सभा के सेक्रेटरी जनरल, सेक्योरिटी ऑफिसर्स, इनसे मिल कर बातचीत करे और इससे भी ज्यादा कुछ करना है, तो हम कर सकते हैं। प्रेमिसेज़ की पूरी सेक्योरिटी पार्लियामेंट के हाथ में है और बाहर की पूरी सेक्योरिटी दिल्ली पुलिस देखती है। मगर दिल्ली पुलिस हो या अन्दर की सेक्योरिटी हो, वह हमारी ही सेक्योरिटी है, जिसे हमें देखना जरूरी है। उसमें जो भी करना जरूरी है, हम करेंगे। ऐसे हालात में हम सब लोग मिलकर किस प्रकार से उसका सामना करे, इसके बारे में भी कुछ विचार करके, सम्पूर्ण विचार करके तभी सदस्यों को साथ लेकर चलेंगे। मैं समझता हूं कि हम